संपादकीय

महामारी के बीच लोगों पर एक और वार

पिछले दो महीनों से बढ़ रही महंगाई इस महीने ग्यारह साल के उच्चतम बिंदु पर जा पहुंची है। रोजमर्रा इस्तेमाल आने वाले सामान के दाम बेतहाशा बढ़ गए हैं, जिससे महामारी से जूझ रहे लोगों के सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया है। कोविड के कारण लाखों लोगों की नौकरियां जा चुकी हैं और करोड़ से भी ज्यादा लोग बेरोजगार हैं। मिडल क्लास का बजट चारों खाने चित्त हो गया है तो कम आय वर्ग के लोगों की तो जान सांसत में आ गई है। आंकड़े बता रहे हैं कि अप्रैल महीने में थोक सामानों की इन्फ्लेशन दर 10.5 प्रतिशत पर जा पहुंची। इससे पहले साल 2010 के अप्रैल में जब यूपीए की सरकार थी, तो महंगाई इस ऊंचाई पर पहुंची थी। इसी वजह से तब सरकार की लोकप्रियता में कमी आनी शुरू हो गई थी।

रोजमर्रा के खाने-पीने के सामानों की कीमतों में अप्रैल महीने में 4.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। फलों, अंडों, मछलियों की कीमतें मार्च-अप्रैल में लगातार बढ़ती रहीं। इस दौरान पेट्रोल-डीजल के दाम तो बढ़े ही, मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री के सामानों की कीमतों में 9 प्रतिशत का इजाफा हुआ। ईंधन और पावर ग्रुप में तो सालाना महंगाई 21.2 प्रतिशत तक बढ़ी, जिसके लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की महंगाई को कसूरवार बताया जा रहा है। लेकिन रोजमर्रा की जिन चीजों की कीमतों में सबसे ज्यादा इजाफा हुआ वह है खाने वाला तेल। इसकी कीमतें अभूतपूर्व स्तर पर जा पहुंचीं। गरीबों के खाने में इस्तेमाल होने वाला सरसों तेल 200 रुपये प्रति लीटर की ओर जा पहुंचा है। महाराष्ट्र-गुजरात में खाना बनाने में काम आने वाला मूंगफली का तेल सवा दो सौ रुपये तक पहुंच गया है। इसे स्वाभाविक नहीं माना जा सकता क्योंकि देश में तिलहन की पैदावार लगातार बढ़ती जा रही है। इस बार भी सरसों की बंपर फसल हुई है। इसके बावजूद बड़े कारखानेदारों और सटोरियों ने कीमतें आसमान पर पहुंचा दी हैं। यह भी ध्यान देने वाली बात है कि भारत दुनिया में सबसे ज्यादा खाद्य तेल उत्पादित करता है और सबसे ज्यादा खपत भी करता है। इसलिए यहां कीमतें बढ़ने पर बाहर से कोई राहत नहीं मिल पाती। महामारी से निपटने में उलझी सरकार का इस ओर ध्यान ही नहीं है। हालत यह है कि खाने के तेलों में आज अरबों रुपये का सट्टा चल रहा है लेकिन न तो केंद्र सरकार कुछ कर पा रही है और न ही राज्य सरकार। इसके पीछे इंटरनैशनल मार्केट में पाम ऑयल के बढ़ते दामों की भूमिका बताई जा रही है। हालांकि भारत में पाम ऑयल के उत्पादन में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, फिर भी हम बहुत बड़े पैमाने पर इसका आयात करते हैं। इसकी कीमतें बढ़ने से साबुन के दाम में 5-7 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो गई है। लेकिन बात यहीं खत्म नहीं होती। एफएमसीजी कंपनियां आने वाले समय में साबुन, ब्यूटी प्रॉडक्ट्स और खाने वाले चिप्स की कीमतें 10 से 13 प्रतिशत तक बढ़ा सकती हैं। सरकार ने पाम ऑयल के आयात को घटाने के इरादे से उस पर कुल 35.75 प्रतिशत का टैक्स और सेस लगा दिया है। इसका असर ठीक-ठीक क्या होता है यह देखना पड़ेगा। आम तौर पर ऐसे मामलों में होता यही है कि आयात तो घटता नहीं, सरकार की आमदनी जरूर बढ़ जाती है। दिसंबर 2020 से इसका आयात लगातार बढ़ रहा है। सबसे खतरनाक बात यह है कि इसकी मिलावट सरसों और अन्य खाद्य तेलों में भी हो रही है। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें आसमान छू रही हैं। इसका एक बड़ा कारण है केंद्र और राज्य सरकारों का रेवेन्यू कलेक्शन ड्राइव। दोनों सरकारें जबर्दस्त टैक्स वसूली कर रही हैं। हालत यह है कि 36 रुपये का कच्चा तेल डीजल बनकर दिल्ली में 83 रुपये में बिक रहा है। इसमें 31 रुपये 80 पैसे एक्साइज ड्यूटी है और 12.19 रुपये का वैट। डीजल की महंगी होती कीमतों ने देश में महंगाई बढ़ाई है, इसमें कोई शक नहीं है। इससे माल ढुलाई की दरें बढ़ गई हैं, जिसका सबसे ज्यादा नुकसान किसानों को हो रहा है।

- मधुरेन्द्र सिन्हा

आज से भारत में बंद हो जाएंगे फेसबुक, इस्टाग्राम और टिव्टर !

नई दिल्ली । देश में काम कर रहीं सोशल मीडिया कंपनियां यानि फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम के सामने बड़ी मुसीबत खड़ी हो सकती है। केंद्र सरकार ने देश में काम कर रहीं सभी सोशल मीडिया कंपनियों को कुछ नियमों का पालन करने के निर्देश दिए थे और उसके लिए 3 महीने का समय भी दिया था, जो 26 मई को पूरा हो रहा है, लेकिन अभी तक किसी भी कंपनी ने इन नियमों का पालन नहीं किया है। ऐसे में सवाल यह उठ रहा है कि क्या 26 मई के बाद भारत में फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम जैसी सोशल मीडिया कंपनियां बंद हो जाएंगी...? भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 25 फरवरी तक सभी सोशल मीडिया कंपनियों को नए नियमों का पालन करने के लिए 3 महीने का समय दिया था। सोशल मीडिया कंपनियों को भारत में कंप्लायंस अधिकारी, नोडल अधिकारियों की नियुक्ति करने के लिए कहा गया था और उन सभी का कार्यक्षेत्र भारत में होना जरूरी रखा गया था। शिकायत समाधान, आपत्तिजनक कंटेट की निगरानी, कंप्लायंस रिपोर्ट और आपत्तिजनक सामग्री को हटाना आदि के नियम हैं।

आदेश मे यह भी कहा गया था कि सोशल मीडिया कंपनियों को अपनी वेबसाइट या मोबाइल एप पर फिजिकल कॉन्टेक्स पर्सन की जानकारी देनी होगी। अभी तक केवल कू नाम की कंपनी को छोड़ कर किसी अन्य कंपनी ने इनमें से किसी अधिकारी की नियुक्ति नहीं की है।

सोशल मीडिया पर पीड़ित लोगों को यह नहीं पता कि वे किससे शिकायत करें और कहां उनकी समस्या का समाधान होगा। कुछ प्लेटफॉर्म ने इसके लिए छह महीने का समय मांगा है। कुछ ने कहा कि वे अमेरिका में अपने मुख्य कार्यालय से निर्देशों की प्रतीक्षा कर रहे हैं। ये कंपनियां भारत में काम कर रही हैं, भारत से मुनाफा कमा रही हैं, लेकिन दिशानिर्देशों के पालन के लिए मुख्य कार्यालय से हरी झंडी का इंतजार करती हैं। ट्विटर जैसी कंपनियां अपने खुद के फैक्ट चेकर रखती हैं, जिनकी न तो पहचान बताती है और न ही तरीका कि कैसे तथ्यों की जांच की जा रही है।

आपको बता दें कि आईटी एक्ट की धारा 79 के तहत उन्हें इंटरमीडियरी के नाते लाइबलिटी से छूट मिली हुई है, लेकिन इनमें से कई विषयवस्तु के बारे में फैसला कर रहीं हैं, जिनमें भारतीय संविधान और कानूनों का ध्यान नहीं रखा जा रहा। नए नियम 26 मई, 2021 से लागू होने जा रहे हैं। अगर ये कंपनियां इन नियमों का पालन नहीं करती हैं तो उनका इंटरमीडियरी स्टेटस छिन सकता है और वे भारत के मौजूदा कानूनों के तहत आपराधिक कार्रवाई के दायरे में आ सकती हैं।

100 इलेक्ट्रिक बसों के लिए ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक, ईवे ने लगाई सबसे कम बोली

नई दिल्ली । इलेक्ट्रिक बस विनिर्माता ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक और उसकी सहयोगी कंपनी ईवे ट्रांस प्राइवेट लिमिटेड का गठजोड़ 100 इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति के लिए सबसे कम बोली लगाने वाले के रूप में उभरा है। ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक ने शेयर बाजार को बताया, ''ईवे ट्रांस प्राइवेट लिमिटेड और ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड के गठजोड़ को एक राज्य परिवहन निगम द्वारा भारत सरकार की फेम-1 योजना के तहत 100 इलेक्ट्रिक बसों (अंतर-महानगरीय परिचालन के लिए) के लिए न्यूनतम बोलीदाता घोषित किया गया है।'' ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक ने कहा कि 100 इलेक्ट्रिक बसों के लिए ठेका मिलने का पत्र प्राप्त होने के बाद ईवे इन इलेक्ट्रिक बसों को ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड से खरीदेगा और 10 महीने की अवधि में इनकी डिलीवरी कर दी जाएगी।

फ्लिपकार्ट ने मार्च-मई 2021 में की 23,000 नयी भर्तियां, सप्लाई चैन हुई और मजबूत

बेंगलुरु। ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने मंगलवार को कहा कि उसने अपनी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के लिए मार्च-मई 2021 के दौरान देश भर में वितरण अधिकारियों सहित विभिन्न क्षमताओं में 23,000 लोगों को भर्ती किया है। फ्लिपकार्ट आपूर्ति श्रृंखला के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हेमंत बद्री ने कहा, ''लोग वायरस से लड़ने के लिए घर के अंदर ही रह रहे हैं, और देश भर में ई-कॉमर्स सेवाओं की मांग बढ़ रही है। इससे हमारी आपूर्ति श्रृंखला का विस्तार जरूरी हो गया और हजारों रोजगार के अवसर पैदा हो रहे है।'' कंपनी ने एक बयान में कहा कि वह सीधी भर्ती के लिए आपूर्ति श्रृंखला के विभिन्न पहलुओं से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चला रही है। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम व्हॉट्सएप, जूम और हैंगआउट जैसे मोबाइल ऐप के साथ ही फ्लिपकार्ट के अपने मंच के जरिये भी संचालित किए जा रहे हैं।

आर्थिक क्षेत्र में गिरावट को थामने के लिए रिजर्व बैंक ने जारी किए नए सुझाव

मुंबई । रिजर्व बैंक के एक अध्ययन में आर्थिक क्षेत्र में गिरावट को थामने के लिये मिली जुली राजकोषीय और मौद्रिक नीतियों की वकालत की गई है। इसमें कहा गया है कि मांग पक्ष के रास्ते को आपूर्ति पक्ष की ओर से मौद्रिक नीति के अनुकूल प्रसार की मदद मिलनी चाहिए। आरबीआई के विकास शोध समूह (डीआरजी) द्वारा 'भारत में जोखिम प्रीमियम के आघात और कारोबार में चक्रीय उच्चावचन के परिणाम' पर किए गये अध्ययन में 2009 के संकट का संदर्भ देते हुये कहा गया है कि 2009 के बाद समय पर कर्ज वापस नहीं किए जाने के बढ़ते मामलों को देखते हुये कर्ज पर जोखिम प्रीमियम बढ़ने (ब्याज सामान्य से ऊंचा होने) के कारण इकाइयों के स्तार पर ब्याज दरों में वृद्धि दर्ज की गई। इसमें कहा गया है कि कर्ज चुकाने में असफलता की ऊंची दर के कारण रिण वृद्धि पर भी बुरा असर पड़ा।इससे कर्ज मांगने वालों पर असर हुआ और वृद्धि प्रभावित हुई। अध्ययन में मौजूदा संकट से निपटने के लिये नीतिगत हस्तक्षेप के मामले में कहा गया है, ''हमारा नीतिगत अनुभव कहता है कि आर्थिक क्षेत्र में गिरावट को थामने के लिये प्रोत्साहक मौद्रिक या फिर राजकोषीय नीति अलग अलग स्तर पर लाये जाने के बजाय मिली जुली राजकोषीय और मौद्रिक नीतियां बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं।इसमें मांग पक्ष रास्ते को आपूर्ति पक्ष की तरफ से मौद्रिक नीतियों के अनुकूल प्रसार की प्रणाली के जरिये पूरा किया जा सकता है।'' रिजर्व बैंक के आर्थिक और नीति शोध विभाग के हिस्से के तौर पर डीआरजी का गठन किया गया है। इसमें मौजूदा हितों के विषय पर मजबूत विश्लेषण और अनुभवजन्य आधार पर त्वरित और प्रभावी नीतिगत शोध किया जाता है। शेशाद्री बनर्जी, जिबिन जोस और राधेश्याम वर्मा द्वारा तैयार इस अध्ययन में कारोबार के चक्रीय उतार चढ़ाव पर वित्तीय झटकों यानी कर्ज कीदरपर प्रीमियम में उतार चढ़ाव के प्रभावों की खोजने का प्रयास किया गया है। रिजर्व बैंक ने डीआरजी का एक और अध्ययन प्रकाशित किया है जिसका शीर्षक है ''मुद्रास्फीति की न्यूनतम सीमा -- अवधारणा और प्रमाण।'' इसे रविन्द्र एच ढोलकिया, जय चंदर, इपसिता पाढी और भानु प्रताप ने तैयार किया है।

भारत बायोटेक का कोवैक्सीन अब अमेरिका में भी होगा इस्तेमाल, कंपनी ने मांगी इजाजत

हैदराबाद। भारत बायोटेक की कोविड-19 वैक्सीन कोवैक्सीन के लिए अमेरिकी साझेदार ओकूजेन ने अमेरिकी दवा नियामक एफडीए के पास ''मास्टर फाइल'' जमा की है, जिसके बाद वहां इस टीके के आपातकालीन इस्तेमाल की इजाजत ली जाएगी।

ओकूजेन ने बताया, ''कंपनी इस समय अमेरिका में कोवैक्सीन के लिए नैदानिक और नियामक रास्ते का मूल्यांकन कर रही है, जिसमें अमेरिकी खाद्य एवं दवा प्रशासक (एफडीए) से आपातकालीन उपयोग प्राधिकरण (ईयूए) प्राप्त करना शामिल है।''

ओकूजेन ने शेयर बाजार को बताया कि इसके साथ ही उसे मंजूरी मिलने की स्थिति में अमेरिका में जैविक लाइसेंस आवेदन (बीएलए) की मंजूरी और कंपनी की व्यावसायीकरण रणनीति का मूल्यांकन भी किया जा रहा है।

ओकूजेन ने एफडीए के पास समीक्षा के लिए प्रीक्लिनिकल अध्ययन, रसायन, विनिर्माण और नियंत्रण (सीएमसी) और क्लिनिकल अध्ययन के नतीजों को मास्टर फाइल के रूप में भेजा है। कंपनी ने कहा कि उसे ईयूए दाखिल करने के लिए भारत बायोटेक से तीसरे चरण के नैदानिक परीक्षण के अतिरिक्त आंकड़ों का इंतजार है।

सुष्मिता सेन की बेटी रिनी ने अपनी लव लाइफ को लेकर किया खुलासा

सुष्मिता सेन की बड़ी बेटी रिनी सेन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. उन्होंने अपना एक्टिंग डेब्यू एक शॉर्ट फिल्म से कर लिया है और अब जल्द ही बॉलीवुड में कदम रखने वाली हैं. रिनी की फैन फॉलोइंग किसी स्टार से कम नहीं हैं. हाल ही में रिनी ने अपने फैंस ने सोशल मीडिया पर बातचीत की और अपनी लव लाइफ को फैंस से बात की है. साथ ही फैंस रिनी के आने वाले प्रोजेक्ट के बारे में जानना चाहता है. रिनी भी अपनी मां की बॉस लेडी हैं उन्होंने फैंस को ऐसे जवाब दिया की उनकी बोलती बंद हो गई.

रिनी ने फैंस के साथ इंस्टाग्राम पर आस्क मी एनीथिंग सेशन कंडक्ट किया था. एक यूजर ने उनसे पूछा- क्या आपका कोई बॉयफ्रेंड है? प्लीज बताइए. जिसके जवाब में रिनी ने लिखा- काम पर फोकस है. वहीं एक यूजर ने रिनी से उनके एक्स बॉयफ्रेंड के बारे में पूछा. यूजर ने लिखा- एक्स बॉयफ्रेंड के बारे में बताओ. इसके बारे में रिनी ने बात करने से मना कर दिया और लिखा- इस बारे में बात करने का कोई प्वाइंट नहीं है. रिनी से बॉयफ्रेंड को लेकर सवाल यहीं नहीं रुके. एक और यूजर ने उनकी पर्सनल लाइफ के बारे में जानना चाहा. एक यूजर ने लिखा- फ्यूचर बॉयफ्रेंड? इसके जवाब में रिनी ने लिखा- काश में आपके इस सवाल का जवाब देने के लिए टाइम ट्रैवल कर सकती. आने वाले प्रोजेक्ट के बारे में जब रिनी से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि वह नए प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं. हालांकि उन्होंने इसके बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया. रिनी ने लिखा- यह पोस्ट प्रोडक्शन में है. आपको बता दें रिनी ने शॉर्ट फिल्म सुट्टाबाजी से अपना एक्टिंग डेब्यू किया है. इस फिल्म में रिनी की एक्टिंग को काफी पसंद किया गया है. कबीर खुराना के डायरेक्शन में बनी ये फिल्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हुई थी. सुष्मिता सेन की बेटी रिनी ने कुछ समय पहले एक इंटरव्यू में नेपोटिज्म को लेकर बात कही थी.

लाइव सेशन में आलिया भट्ट के साथ नजर आए रणबीर

बॉलिवुड इंडस्ट्री के चर्चित कपल रणबीर कपूर और आलिया भट्ट अपने रिश्ते को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं। अब दोनों एक बार फिर सुर्खियों में आ गए हैं। हाल ही में आलिया भट्ट का एक पुराना इंस्टाग्राम लाइव सेशन सामने आया है, जिसमें वह अपने फैंस और फॉलोअर्स के साथ बात कर रही थीं। इसी दौरान रणबीर कपूर भी नजर आए, जिसके बाद फैंस ने मजेदार कॉमेंट किए। दरअसल, आलिया भट्ट इंस्टाग्राम लाइव सेशन में जानवरों और नेचर के प्रति अपने प्यार पर बोल रही हैं। इस दौरान वह हाथी देखने की बात करती है, उनके पीछे शीशे में एक रिफ्लेक्शन दिखाई देता है। आलिया भट्ट के फैंस का मानना है कि रणबीर कपूर ही हैं। वहीं, कैमरे पर ऐक्ट्रेस बात करती रहीं।

इसके बाद फैंस ने कॉमेंट करना शुरू कर दिया। सूत्रों का कहना है कि आलिया भट्ट और रणबीर कपूर लॉकडाउन में रह रहे थे। इस साल की शुरुआत में रणबीर कपूर कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे और बाद में आलिया भट्ट की रिपोर्ट भी कोविड पॉजिटिव आई थी। कोरोना निगेटिव आने के बाद यह कपल मालदिव छुट्टियों पर गए था। आलिया भट्ट और रणबीर कपूर एक-दूसरे को तीन साल से अधिक समय से डेट कर रहे हैं। वहीं, वर्कफ्रंट पर आलिया भट्ट और रणबीर कपूर पहली बार डायरेक्टर अयान मुखर्जी की फिल्म ब्रह्मास्त्र में नजर आएंगे।

सपनों को पूरा करने के लिए मैसी फिल्म एकमात्र तरीका नहीं : सलोनी बत्रा

अभिनेत्री सलोनी बत्रा ने अब तक कॉटेंट ड्रिवन रोल के जरिये अपनी अदाकारी की एक छाप छोड़ी है । वह इस विचार से सहमत नहीं हैं कि आम लोगों के लिए एक मैसी फिल्म में काम करना बॉलीवुड में बड़ा बनाने का एकमात्र तरीका है।

फिल्मों की दुनिया में अपनी पहचान बनाने के बारे में उन्होंने कहा, मैं यह नहीं कहूंगी कि यह आसान है, लेकिन फिर कुछ भी नहीं है। यह कोई विशेष प्रक्रिया नहीं है, और मुझे इसे फिगर आउट करने में थोड़ा समय लगेगा। सनोली ने कहा, बॉलीवुड एक बहुत ही आकर्षक जगह है जहां कई प्रतिभाशाली कलाकार एक स्टार बनने का एक ही सपना देखते हैं। मैं जीवन में उस बड़े ब्रेक को चाहने के मामले में अलग नहीं हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि बड़ी फिल्म में काम करना ही मेरे सपनों को पूरा करने का एकमात्र तरीका है।

आज का राशिफल

मेषः विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। थकान रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। पराक्रम बढ़ेगा। जीवनसाथी से आर्थिक मतभेद हो सकते हैं।

वृषभः बुरी खबर मिल सकती है। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। आपके व्यवहार एवं कार्यकुशलता से अधिकारी वर्ग से लाभ होगा।

मिथुनः मेहनत का फल मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। यात्रा सफल रहेगी। धनलाभ होगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। वाहन सुख मिलेगा। संपत्ति के लेन-देन में सावधानी बरतें।

कर्कः उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। स्वाभिमान बढ़ेगा। पुराने मित्र-संबंधी मिलेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। कार्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा। विवादों से दूर रहना चाहिए। आर्थिक तंगी रहेगी।

सिंहः राजकीय सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ होगा। जोखिम बिलकुल न लें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी।

कन्याः फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। कुसंगति से बचें। दूसरों पर भरोसा न करें। धैर्य रखें। पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा। रुका पैसा मिलेगा।

तुलाः रुका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। विवाद न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा।

वृश्चिकः योजना फलीभूत होगी। नए अनुबंध होंगे। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। जल्दबाजी व भागदौड़ से काम करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाएँ।

धनुः धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। वरिष्ठजनों का सहयोग मिलेगा। कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे। कार्यसिद्धि होगी। आय-व्यय में संतुलन रहेगा।

मकरः वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यापार के विस्तार हेतु किए गए प्रयास सफल होंगे।

कुंभः प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रुभय रहेगा। लाभ होगा।

मीनः संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। खर्चों में वृद्धि से चिंता होगी।

झटपट बनाएं टेस्टी है ये बॉर्बन केक

ये केक बहुत ही जल्दी बन जाता है। इस चॉकलेट फ्लेवर केक को बनाने में आपको ज्यादा मेहनत करने की जरूरत न होगी। न ही आपको इसके लिए इतनी मेहनत करनी पड़ेगी कि आपका समय खराब हो।

सामग्री :

बॉर्बन बिस्किट दो पैकेट, आधा टी-कप पिसी हुई शक्कर, एक टी-कप गुनगुना दूध, एक चम्मच कोको पाउडर, एक छोटा चम्मच बेकिंग पाउडर, थोड़ा सा मक्खन

विधि :

- बॉर्बन बिस्किट को तोड़कर ग्राइंडर में डालें। इसमें दूध और चीनी मिला लें। इसके बाद इसे ग्राइंड करना है।
- अब एक चम्मच कोको पाउडर डालें जिससे इस केक का रंग डार्क हो जाए। इसे अच्छे से मिक्स कर लें।
- इसमें एक छोटी चम्मच बेकिंग पाउडर मिलाएं और अच्छी तरह फेंट लें।
- अब एक बेकिंग टिन में मक्खन लगा लें। फिर इसे बेकिंग टिन में डालें।
- इसे 400 डिग्री पर प्रीहीट ओवन में सात-आठ मिनट के लिए पकाएं।
- अगर आपके पास ओवन नहीं है तो इसे कुकर में भी बना सकती हैं। कुकर में अगर इसे बना रही हैं तो इसे पकने में 20-25 मिनट लगेंगे।
- कुकर की सीटी निकालकर ही इसे पकाएं।

शब्द सामर्थ्य- 90

बाएं से दाएं
1. याद, स्मरण 3. अग्नि, आग, पवित्र करने वाला 6. गौ जाति का नर 8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 10. मुस्कुराहट, तबस्सुम 11. खारा, नमक के स्वाद जैसा 14. मुख्यभाग, निचोड़ 16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ 18. अद्‌भूत, विचित्र 21. सम्राट, बादशाह, नरेश 22. कृति, निर्माण करना, बनाना 23. बड़ी थाली 24. समूह, दल 26. एहसानमंद, कृतज्ञ 27. ध्वनि, सदा 28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।

ऊपर से नीचे
2. अपमान, अनादर, अवज्ञा 3. जल, नीर, अम्बु 4. वाणी, वादा, कथन 4. कर्म शब्द का अपभ्रंश, भाग्य 7. लकड़ी का घूमने वाला एक गोल खिलौना, बिजली का बल्ब 9. लोग, प्रजा 10. यात्री, राही, पथिक 12. कीड़ा 13. चोचला, अदा 15. दंड 17. अवैध, अनुचित 18. जो आधिकारिक न हो, जो अधिकार प्राप्त न हो 19. जैसा होना चाहिए ठीक वैसा, सत्यपरक, वाजिब 20. ताकत, शक्ति 24. प्रश्न, समस्या 25. घटना, घटना का वर्णन 26. एक प्रसिद्ध पक्षी जो रात में विचरण करता है, लक्ष्मीजी की सवारी 27. पानी, चमक।

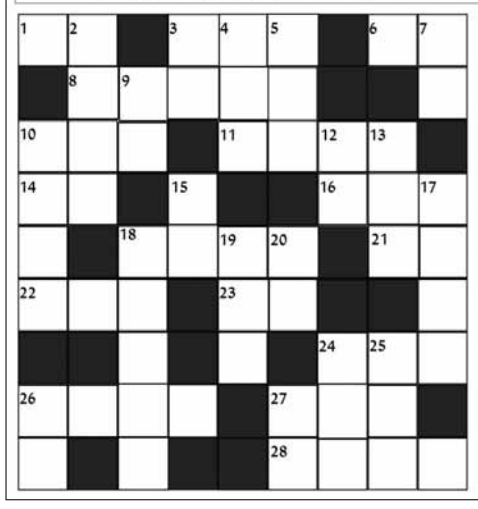

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 89 का हल

टे	ढ़ा	मे	ढ़ा	■	म	हा	र	त
क	■	ह	■	■	■	ज	न	
■	जा	न	की	■	क	म	नी	य
■	■	त	म	क	ना	■	■	■
म	■	■	त	ह	त	■	दा	ब
सी	मा	■	■	ला	■	स	न	द
हा	थ	म	ल	ना	■	वा	■	च
■	■	द	■	■	घा	ल	मे	ल
■	ब	द	ह	वा	स	■	■	न

सू-दोकू- 90

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 89 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3	8	2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7